चिकनिक चूँ

सुशील शुक्ल • अतनु राय

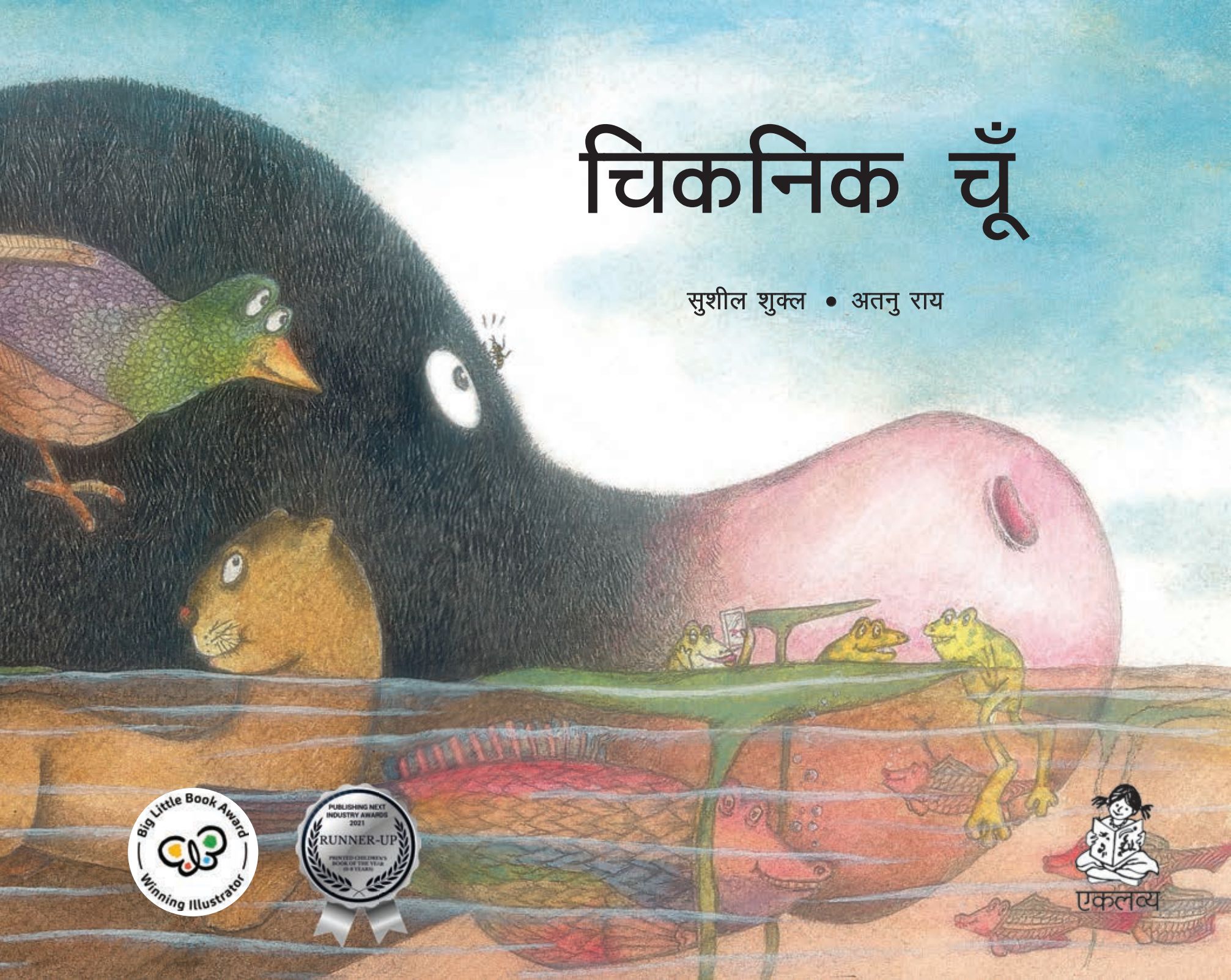

चिकनिक चूँ

कविता
सुशील शुक्ल

चित्र
अतनु राय

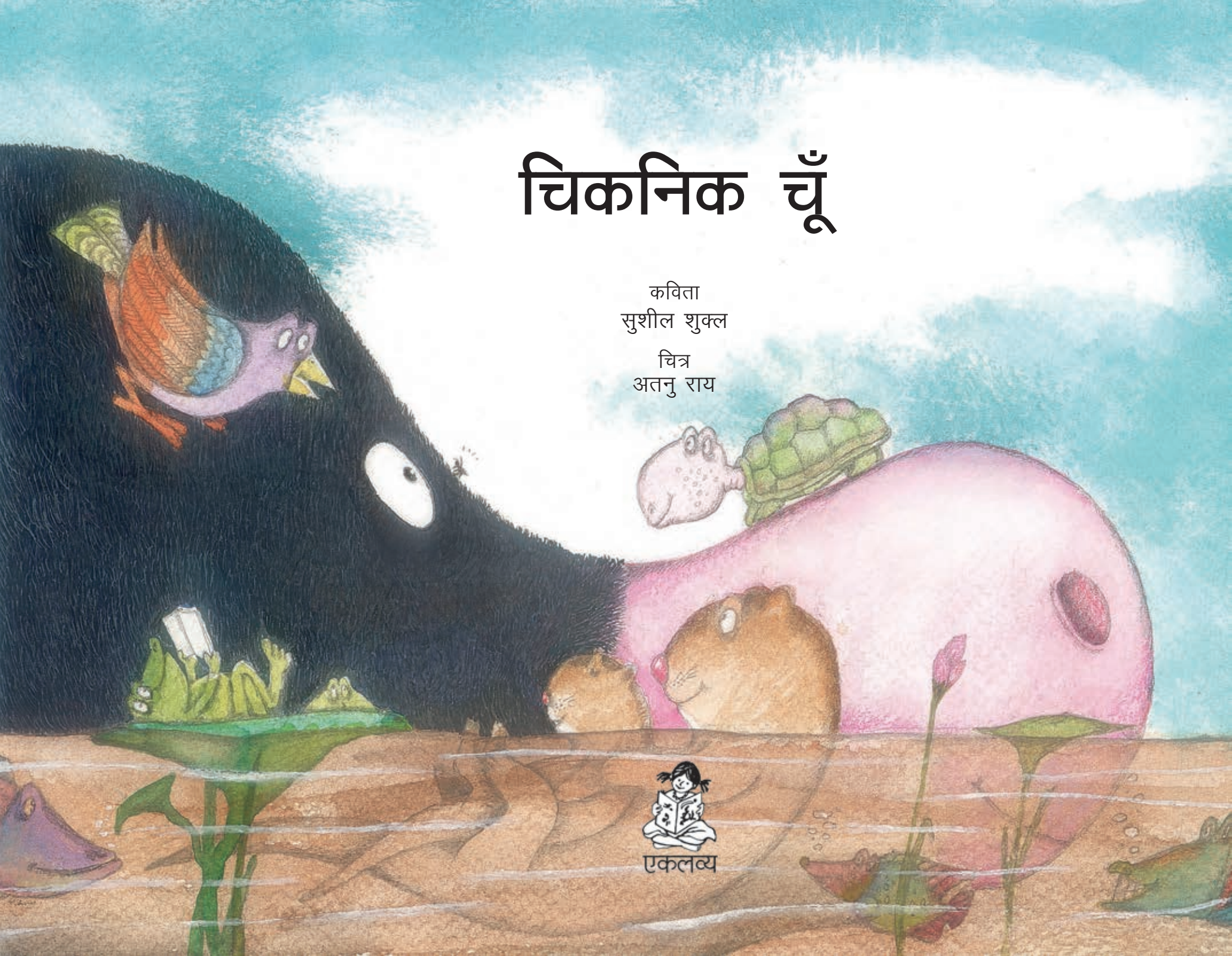

एकलव्य

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
बोला भैंस के सिर का जूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
सिर पे सींग उगाए क्यूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
पानी में दिखता है क्यूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
हरदम पूँछ हिलाती क्यूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
अकल है तुमसे छोटी क्यूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
क्या मछली भी करती है सू

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
पानी में बैठी हो क्यूँ

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ
बस करती हो हूँ हूँ हूँ

तभी ज़ोर से उछला पानी
भैंस ने करी ज़ोर से पूँ

पिकपिक पूँ पिकपिक पूँ...

चिकनिक चूँ
CHIKNIK CHOON

कविता: सुशील शुक्ल
चित्र: अतनु राय
डिज़ाइन: कनक शशि

कविता: सुशील शुक्ल, जनवरी 2016

यह कविता क्रिएटिव कॉमन्स के Attribution-Non-Commercial-NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) लाइसेंस के अन्तर्गत है जिसका पूरा विवरण https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/ पर उपलब्ध है।

इस कविता का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों हेतु मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में लेखक और प्रकाशक का ज़िक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए प्रकाशक के ज़रिए लेखक से अवश्य सम्पर्क करें।

चित्र कॉपीराइट © अतनु राय, जनवरी 2016

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

संस्करण: जनवरी 2016 / 3000 प्रतियाँ
पहला पुनर्मुद्रण: नवम्बर 2020 / 3000 प्रतियाँ
दूसरा पुनर्मुद्रण: जनवरी 2022 / 3000 प्रतियाँ
कागज़: 120 gsm मैपलिथो व 250 gsm ऍफबी बोर्ड (कवर)
ISBN: 978-93-85236-05-1
मूल्य: ₹ 80.00

प्रकाशक: **एकलव्य फाउंडेशन**
जमनालाल बजाज परिसर, जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 297 7770-71-72-73
वेबसाइट: www.eklavya.in; ईमेल: books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 2687 589

नाइशा, इनायरा और तमाम बच्चों के लिए

सुशील शुक्ल ● अतनु राय

अतनु राय

अतनु ने 1968 में दिल्ली कला महाविद्यालय में मेरिट छात्रवृत्ति के साथ प्रवेश पाने के साथ ही काम करना भी शुरू कर दिया था। कॉर्पोरेट और प्रकाशन दोनों ही क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के कामों का लम्बा अनुभव है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय प्रकाशकों के साथ बच्चों और युवाओं के लिए लगभग 150 पिक्चर बुक्स पर काम कर चुके हैं। अतनु के काम की बारीकियाँ व निहितार्थ पाठक की दिलचस्पी को देर तक बाँधे रखते हैं।

किताबों के चित्रण के लिए टाटा ट्रस्ट के बिग लिटिल बुक अवार्ड समेत अन्य पुरस्कारों से नवाज़े जा चुके हैं। इसके अलावा अपने सहज कार्टूनों के लिए भी पुरस्कृत हो चुके हैं।

सुशील शुक्ल

बाल साहित्य के क्षेत्र में लगभग 22 सालों का सफर। लगभग एक दशक तक *चकमक* का सम्पादन। एनसीईआरटी आदि संस्थाओं के साथ काम। चित्रांकन की पहल रियाज़ के आकल्पन व समन्वयन में साझेदारी। बच्चों के लिए खास तौर पर कविताएँ और गैर-कथात्मक रचनाओं का लेखन। शिक्षा और बाल साहित्य के इर्द-गिर्द लेखन।

फिलहाल, बाल साहित्य एवं कला केन्द्र इकतारा के विभिन्न कामों के साथ दो बाल पत्रिकाओं - *साइकिल* और *प्लूटो* का सम्पादन कर रहे हैं।

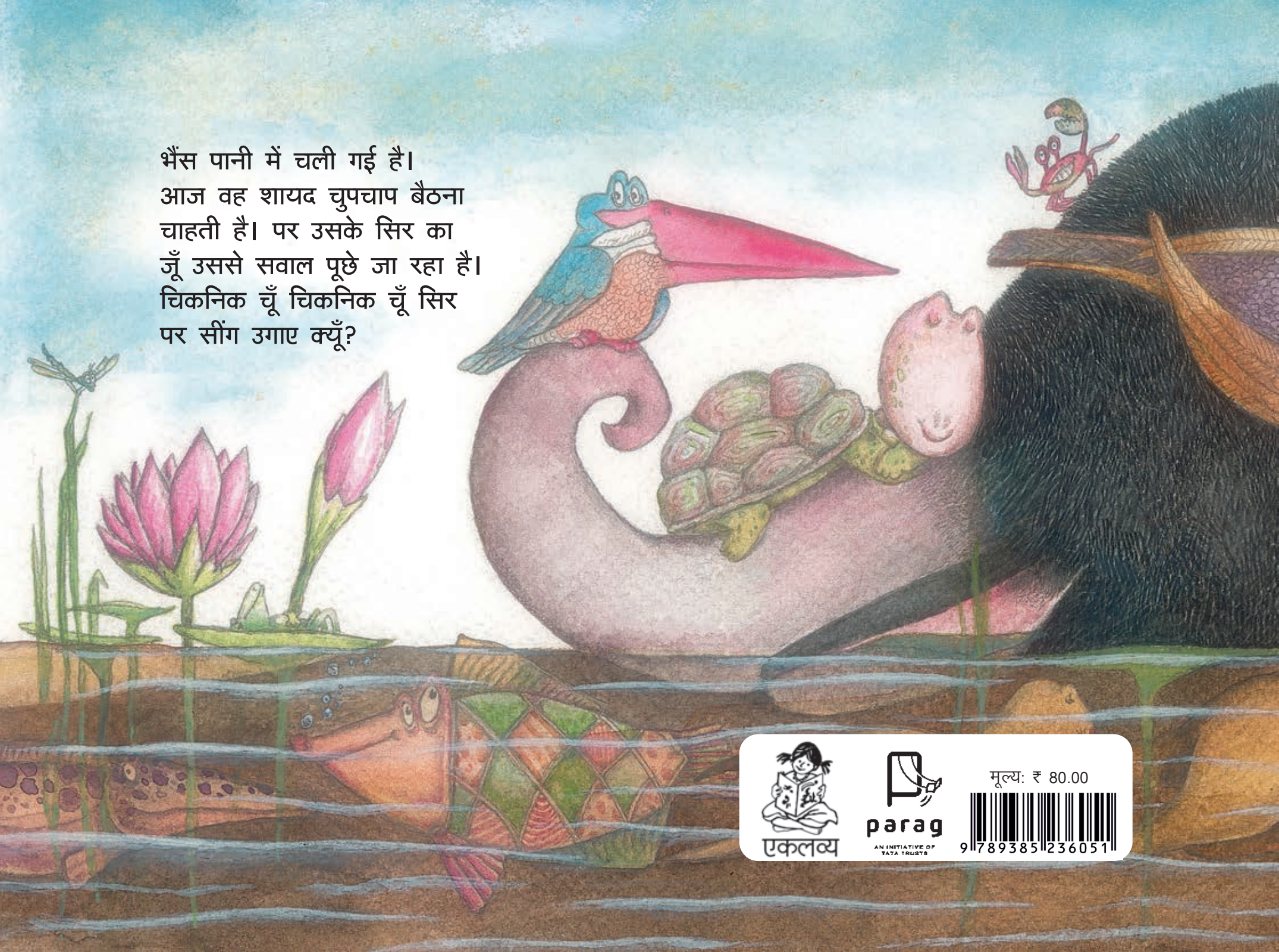
भैंस पानी में चली गई है।
आज वह शायद चुपचाप बैठना
चाहती है। पर उसके सिर का
जूँ उससे सवाल पूछे जा रहा है।
चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ सिर
पर सींग उगाए क्यूँ?
एकलव्य
parag
AN INITIATIVE OF TATA TRUSTS
मूल्य: ₹ 80.00
9 789385 236051